

13⁶/₂₄

पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप=)

प्रार्थना पत्र आदेश 22 नियम 4, 9, 10A

सपठित धारा 151 CPC पर उभयपक्ष

वकूलाय की बहस के पश्चात् हस्तगत

प्रकरण में यह स्वीकार्य तथ्य है कि

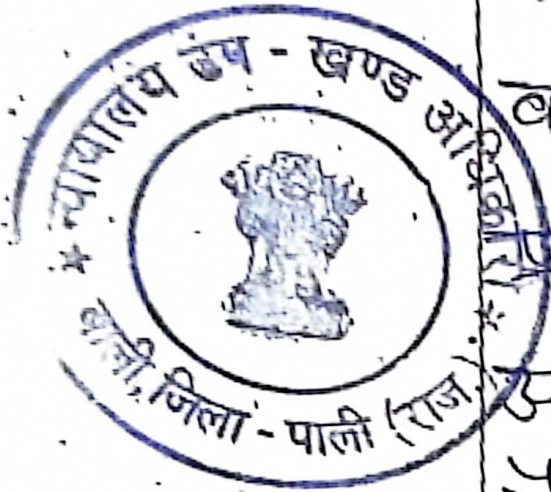
अप्रार्थी सोहनराज पुत्र श्रीमराज जाति

जैन निवासी कोट बालियान् की मृत्यु

हो चुकी है जिस तथ्य को प्रार्थी

अधिवक्ता श्री हनुमान सिंह चौहान भी

उपखण्ड अधिकारी, बाली-वीकार करते हैं। परंतु मृत्यु के पश्चात्



3
सहायक वकूल एवं पदेन

उपखण्ड अधिकारी, बाली

विधि द्वारा निर्धारित अवधि गुजरने के बाद आज दिनांक तक मृत अप्रार्थी सोहनराज के कायम मुकाम की सूची व उनकी तलबी के लिए P/F नोटिस पेश नहीं किए हैं। तथा उक्त न्यायालय से यह अनुरोध किया जा रहा है कि प्रतिवादी/ अप्रार्थी के अधिवक्ता से सोहन लाल के वारिसान के नाम व पते की सूचना दिलाई जावे। विधि में यह स्पष्ट सुनिश्चित प्रावधान है कि प्रकरण में वर्णित पक्ष का चाहे प्रार्थी हो या अप्रार्थी उनकी मृत्यु होने पर विधिक वारिसान की सूचना नाम पते सहित नियत समय में प्रार्थी न्यायालय में पेश करें। जबकि उक्त प्रकरण में प्रार्थी अधिवक्ता अपने दायित्व का निर्वहन नहीं कर न्यायालय से अप्रार्थी पक्ष से सूचना दिलाए जाने की मांग की जा रही है जो न्यायसंगत नहीं है। इस प्रकार प्रार्थी का उक्त प्रार्थना पत्र Abate हो चुका है। इसके साथ ही प्रकरण में पखारी हल्का फोटो बालियान व निरीक्षक भू-अभिलेख मुण्डारा की मौका रिपोर्ट तहसीलदार बाली से प्राप्त हुई है। उसके अवलोकन से भी यह ज्ञात है कि 100 द्वारा प्रार्थना पत्र में वर्णित खसरा नं. 1129/1 रकबा 0.12 हेक्टेयर की भूमि पर कब्जा नहीं है। तथा खसरा नं. 1175 के रकबा



सहायक कमिश्नर एवं प्रमुख
उपखण्ड अधिकारी, बाली

0.08 हेक्टेयर पर भी 100 का कब्जा नहीं होकर खसरा नं. 1175 के सम्पूर्ण भू-भाग पर खातेदारों का कब्जा काश्त है। इस प्रकार उस्तुत रिपोर्ट से भी प्रकरण प्रार्थी 100 के पक्ष में साबित नहीं है। तथा अप्रार्थी सोहनराज की मृत्यु के पश्चात् प्रार्थी अधिवक्ता मृतक सोहनराज के कृपाम मुकाम को रेकॉर्ड पर लाने में विफल रहे हैं। लिहाजा प्रार्थी 100 द्वारा उस्तुत प्रार्थना पत्र धारा 136 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 जरिये Abatement खारिज किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल न्युमार होकर नंबर से कम हो।



3
सहायक कलेक्टर एवं पदेन
उपखण्ड अधिकारी, बाली